READERS' THEATRE IN THE CLASSROOM

Early Literacy Initiative
Tata Institute of Social Sciences, Hyderabad

Practitioner Brief (13)
2019

Supported by

TATA TRUSTS

This Practitioner Brief is part of a series brought out by the Early Literacy Initiative anchored by the Azim Premji School of Education at the Tata Institute of Social Sciences, Hyderabad.

कक्षा में पाठकों का रंगमंच

शब्द-चित्र

शुरू-शुरू में, पास की एक बस्ती से बच्चों का एक छोटा समूह सप्ताहांत में संचालित मेरे पुस्तकालय सत्र में नियमित रूप से आने लगा । ये बच्चे एक छोटे से गैर-सरकारी संस्था (NGO) द्वारा संचालित स्कूल से कक्षा 2 से 6 तक के थे।

दुर्भाग्य से, स्कूल में साक्षरता का अध्यापन प्रभावशाली नहीं था। दो सबसे बड़ी लड़कियों जिन्होंने हाल ही में स्कूल में दाख़िला लिया था, को छोड़कर कोई भी बच्चा ठीक से नहीं पढ़ पाता था। हिंदी पढ़ने में वे कई स्तर पर संघर्ष करते हुए दिखते थे। उनमें से अधिकांश बच्चे, शब्दों को बहुत रुक-रुक कर हिज्जे करते हुए पढ़ते थे।

मैं जानती थी कि जितना समय मैं उनके साथ बिताती थी, वह उन्हें पढ़ना सिखाने के लिए बहुत कम था। लेकिन इस बारे में कुछ कर भी नहीं पा रही थी। इस बात ने मुझे सोचने पर विवश किया कि किस प्रकार की दिलचस्प और उद्देश्यपूर्ण गतिविधियों से मैं अपने विद्यार्थियों को धारा-प्रवाह पढ़ने का अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित कर सकूँ।

मैंने पाठकों का रंगमंच आज़माने का निर्णय किया- नाटक जहाँ प्रस्तुतीकरण के लिए स्क्रिप्ट से अपने संवाद को धारा-प्रवाह एवं हाव-भाव के साथ पढ़ना होता है। मैंने *गीत का कमाल* पर आधारित एक स्क्रिप्ट लिखा और इस विचार को बच्चों के साथ साझा किया। उन्हें यह विचार बहुत पसंद आया।

दर्शक के सामने नाट्य-प्रदर्शन करने का लक्ष्य (एक छोटा समूह दूसरे समूह के सामने प्रस्तुतीकरण देंगे) से अद्भुत ऊर्जा का संचार हो गया। बच्चे पूरी तरह से अपने संवादों को पढ़ने का अभ्यास करने में लिप्त हो गए। वे कोने में अकेले या जोड़ों में बैठ जाते थे और अभ्यास करते थे। छोटे बच्चे स्वतंत्रतापूर्वक पढ़ने का प्रयास करने से पहले मेरे साथ काम करते थे।

वे बिना बेचैन या बोर हुए दो या तीन सत्रों में नाटक का अभ्यास और रिहर्सल करते थे। संवादों और प्रस्तुतिकरण के बारे में वे कई सुझाव भी देते थे। जब समूह को लगता था कि वे तैयार हो चुके हैं तो वे नाटक का प्रस्तुतीकरण करते थे।

जब मैंने इस गतिविधि की योजना बनाई थी तो मैंने सोचा भी नहीं था कि यह इतना मशहूर और प्रभावी हो जाएगा। बच्चे पाठ्य (Text) को प्रवाह और उचित हाव-भाव लाने के लिए उत्साह खोए बिना न केवल बार-बार पढ़ते थे, बल्कि वे उस पुस्तक या कहानी के बारे में बातचीत भी करते रहते थे जिसपर नाटक की स्क्रिप्ट आधारित होती थी। बोलने के लहजे और हाव-भाव पर फ़ीडबैक से पात्रों के इरादे, व्यक्तित्व और संदर्भ आदि पर एकदम स्वभाविक तरीक़े से रोचक चर्चा शुरू हो जाती थी। इसमें कोई संदेह नहीं कि साक्षरता के सभी मुद्दों का हल करने के लिए कोई एक गतिविधि काफ़ी नहीं हो सकती है, किंतु भाषा और साक्षरता के मेरे शिक्षण संसाधनों में 'पाठकों के रंगमंच' का महत्वपूर्ण स्थान होगा।

—बच्चों की सामुदायिक पुस्तकालय का एक फ़सीलिटेटर

पाठकों के रंगमंच में, विद्यार्थी नाटक का रिहर्सल करते हैं और दर्शकों के सामने प्रस्तुत करते हैं। लेकिन जैसा कि शब्द-चित्र में उल्लेख किया गया है, ये परंपरागत नाटक की तरह नहीं हैं: विद्यार्थी अपने संवादों को याद नहीं करते हैं या अपनी भूमिका को परंपरागत तरीक़े से नहीं निभाते हैं। इसके लिए किसी सामग्री (Props), दृश्य या वेशभूषा की आवश्यकता नहीं होती है। (देखें चित्र 1)

इसकी एकमात्र आवश्यकता है –धारा-प्रवाह व हाव-भाव के साथ पठन से पाठ को दर्शकों के लिए जीवंत बना देना। प्रदर्शन करने के पहले बच्चों को अपने संवादों को कई बार पढ़कर अभ्यास करना पड़ता है।

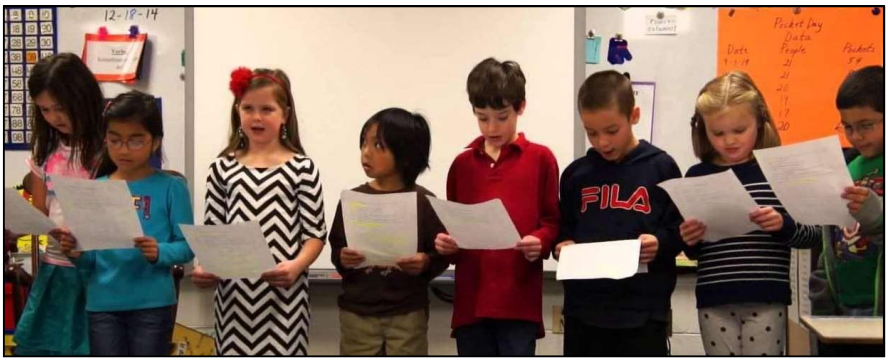

चित्र 1. पाठकों का एक रंगमंच सत्र चलता हुआ [1]

पाठकों के रंगमंच से किसमें मदद मिलती है?

शब्द-चित्र में शिक्षिका ने पाठकों के रंगमंच को मुख्यतः बच्चों के धाराप्रवाह पठन को सुधारने के लिए इस्तेमाल किया। धारा-प्रवाह का मतलब केवल तेज़ी से पढ़ना नहीं है। यह उचित गति, शुद्धता और हाव-भाव के साथ पढ़ने की योग्यता है जिससे पाठ का अर्थ प्रकट हो। धारा-प्रवाह पठन विकसित करने का सबसे अच्छा तरीक़ा है उसी पाठ्य (Text) को कई बार पढ़ना। हांलांकि, बच्चे ऐसा करने के लिए प्रेरित नहीं भी हो सकते हैं । पाठकों के रंगमंच में दर्शकों के सामने प्रस्तुत करना विद्यार्थियों को पाठ्य को बार-बार पढ़ने एवं धारा-प्रवाह पठन के अभ्यास का सशक्त ज़रिया बन जाता है (Young & Rasinski, 2009)। इसके अलावा, चूँकि स्क्रिप्ट विशेष तौर से बच्चों के प्रिय पुस्तकों से ही बनाया जाता है, उन्हें यह प्रक्रिया रोमांचक लगती है।

बेहतर धारा-प्रवाह के अतिरिक्त, पाठकों का रंगमंच विद्यार्थियों को अन्य कई महत्वपूर्ण तरीक़े से भी फ़ायदा पहुँचाता है। प्रस्तुतीकरण की तैयारी में, विद्यार्थी कहानी, उसके संदर्भ, कथावस्तु किस तरह प्रकट होती है आदि के बारे में सोचते हैं। जैसा कि शब्द-चित्र में दिखाया गया है, अलग-अलग भूमिकाओं पर चर्चा से विद्यार्थियों को साहित्य के तत्वों जैसे, चरित्रों की प्रेरणा एवं चित्रण को समझने में मदद मिलाती है। इस तरह, विद्यार्थी पाठ्य के साथ अर्थ पर ज़ोर देते हुए गहराई के साथ जुड़ते हैं। ये सभी चीज़ें पाठ को समझने में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं।

पाठकों का रंगमंच विद्यार्थियों के सुनने-बोलने-पढ़ने-लिखने[2] के कौशलों को भी अपने में समाहित करता है जो कि प्रारंभिक वर्षों में महत्वपूर्ण साक्षरता लक्ष्य होते हैं (Cornwell, 2019)। हम लिखनेवाले हिस्से पर बाद में बात करेंगे, पर आप देख सकते हैं कि पाठकों का रंगमंच अन्य तीन कौशलों को कैसे सार्थक तरीक़े से एक साथ लाता है।

शायद सबसे महत्वपूर्ण योगदान के रूप में पाठकों का रंगमंच विद्यार्थियों को पढ़ने का वास्तविक उद्देश्य बताता है और उनके द्वारा पढ़े या सुने गए साहित्य पर प्रतिक्रिया देने के बारे में सोचने का एक प्रमाणिक संदर्भ भी देता है। इस

[1] स्रोत: www.youtube.com/watch?v=9BIVO8uyLlQ

[2] इस पर अधिक जानकारी के लिए ELI सारपत्र *सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना : क्रम से या एक साथ ?* देखें

प्रकार, पाठकों का रंगमंच, भाषा और साक्षरता शिक्षण का एक महत्वपूर्ण उपकरण है। इस हैंड आउट में हम पाठकों के रंगमंच को कक्षाकक्ष में इस्तेमाल करने के प्रमुख चरण और सुझाव दे रहे हैं।

कक्षाकक्ष में पाठकों के रंगमंच का उपयोग करना

1. एक उपयुक्त साहित्य का चयन करें। पाठकों के रंगमंच की योजना कई प्रकार के साहित्य के साथ बनाई जा सकती है : पिक्चर बुक्स, कहानियाँ, लोक-कथाएं, तथ्य-परक, आदि। जो पुस्तक आपके विद्यार्थियों को पसंद है उसमें से एक मज़ेदार विषयवस्तु या एक दमदार,सम्मोहक, अच्छी गति वाला कथावस्तु जिसमें बहुत सारे पात्र और संवाद हों (या ऐसा विषयवस्तु जिसमें संवाद लिखने की गुंजाईश हो) का चयन करें। पूरा पुस्तक इस्तेमाल करने की आवश्यकता नहीं है-आप उसमें से किसी मज़ेदार भाग और बातचीत का चयन कर सकते हैं। शब्द-चित्र में, शिक्षिका ने *गीत का कमाल* चुना क्योंकि जब इस पुस्तक का विद्यार्थियों के सामने मुखर वाचन किया गया था तो उन्होंने इसका ख़ूब आनंद लिया था। । यह एक हास्य लोककथा है जिसमें मज़ेदार चरित्र और विनोदपूर्ण संवाद के साथ-साथ गीत के दुहराव वाले पैटर्न हैं।
   पाठकों के रंगमंच के लिए पुस्तकों के चयन में ऐसे पाठों पर विचार करें जो मोटे तौर से आपके विद्यार्थियों के पठन-स्तर के अनुरूप हों-अभ्यास से, वे इसे अच्छे से बोलकर पढ़ने में सक्षम हो जाएंगे।

2. उस पुस्तक पर आधारित एक स्क्रिप्ट लिखिए। धारा-प्रवाह के लिए एक महत्वपूर्ण नियम है कि बच्चों को ऐसे पाठ दिये जाएं जिन्हें वे 90% सटीकता (शुद्धता) के साथ पढ़ सकें। इसलिए यदि आपको लगता है कि चयनित पाठ आपके बच्चों के लिहाज़ से थोड़ा कठिन है तो उसे सरल बनाएं और उसमें इस तरह के बदलाव करें कि आपके बच्चों के लिए ये थोड़े चुनौतीपूर्ण भी हों लेकिन अभ्यास से वे इसे पढ़ पाएं ।
   स्क्रिप्ट लिखने के लिए, आप कहानी या चुने गए अंश को दृश्यों में बाँट सकते हैं। पात्रों (चरित्रों) के अतिरिक्त एक सूत्रधार भी शामिल कीजिए जो नाटक के लिए आवश्यक पृष्ठभूमि और विवरण देता हो। यदि आप पाठ को संवादों में बदल रहे हैं तो नाटक या हास्य जोड़ते हुए इस तरह बनाएं कि यह सहज, स्वाभाविक और रोचक लगें। स्क्रिप्ट आपके बच्चों के लिए ज़्यादा लंबा न हो।

   आपको अंग्रेज़ी में पाठकों के रंगमंच का स्क्रिप्ट ऑनलाइन मिल सकता है। [3] लेकिन आप उन पुस्तकों का

[3] कुछ वेबसाइट जो अलग-अलग वेबसाइट से पाठकों का रंगमंच स्क्रिप्ट (अंग्रेज़ी में) का लिंक प्रकशित करता है :

http://www.thebestclass.org/rtscripts.html
http://www.aaronshep.com/rt/RTE.html
http://www.teachingheart.net/readerstheater.htm

उपयोग करते हुए, जो आपके समूह में लोकप्रिय है, अपना स्क्रिप्ट ख़ुद भी बना सकते हैं।

स्क्रिप्ट लिखने में बच्चों को शामिल करना

एक बार जब बच्चे पाठकों के रंगमंच से परिचित हो जाएं तो आप उन्हें स्क्रिप्ट बनाने में शामिल कर सकते हैं। इससे पहले कि आप बच्चों को छोटे, सहयोगी समूहों में ख़ुद का स्क्रिप्ट बनाने के लिए कहते हैं, शुरुआत में एक कक्षा के रूप में साथ मिलकर स्क्रिप्ट बनाने के लिए सरल पिक्चर बुक का उपयोग करें (Cornwell, 2019)। जब आप स्क्रिप्ट बनाने का मॉडल करते हैं तो *"कैसे करना है"* वाले पहलू को स्पष्टता से प्रदर्शित करके दिखाएं। उदाहरण के लिए, महत्वपूर्ण भाग को कैसे पहचानें जिन्हें स्क्रिप्ट में शामिल किया ही जाना चाहिए ताकि कहानी के साथ न्याय हो सके; अनुच्छेद को संवाद में कैसे बदलें; किस प्रकार की सूचना और परिवर्तन सूत्रधार दर्शकों को बताएगा; और पुस्तक के शब्दों और वाक्यांशों को कैसे सरल करें।

यह ज़रूरी नहीं कि बच्चे स्क्रिप्ट लिखें पर यह उपयोगी हो सकता है। यह लेखन को सुनने, बोलने और पढ़ने के साथ जोड़ने का बहुत अच्छा अवसर है। यह बच्चों के साहित्य की प्रतिक्रिया को प्रोत्साहित करने का भी मज़ेदार तरीका हो सकता है। इसके अलावा, बच्चे जिन पात्रों से परिचित हैं उनके संवाद बनाने में उन्हें मज़ा आता है!

3. अपने बच्चों के लिए स्क्रिप्ट की फोटोकॉपियाँ बनाएं। वास्तव में प्रत्येक बच्चे के पास एक कॉपी होनी चाहिए।

4. पहले सत्र में , पाठकों के रंगमंच में क्या होता है इसे समझाइये। उन्हें बताएं कि दर्शक कौन होंगे ताकि तैयारी में उद्देश्य का भाव हो। ये दर्शक उनके सहपाठी, शिक्षक, पालक और समुदाय के सदस्य हो सकते हैं। या वे नाटक का प्रस्तुतीकरण प्रातः प्रार्थना सभा में कर सकते हैं। इस बात पर ज़ोर दें कि उन्हें अपने संवाद को रटने की आवश्यकता नहीं है बल्कि उन्हें अपनी भूमिका का अच्छे से अभ्यास करना चाहिए ताकि वे धारा-प्रवाह एवं हाव-भाव के साथ पढ़ सकें जिससे दर्शकों को नाटक समझ में आ जाए।
5. बच्चों के पठन स्तर को ध्यान में रखते हुए समूह में प्रत्येक बच्चे को उनके पढ़ने के हिस्से दें। भावपूर्ण

भूमिकाएं -जिसमें ज़्यादा पढ़ने की आवश्यकता हो- कुशल पाठकों को दें। उदाहरण के लिए, शब्द-चित्र में शिक्षिका ने *गीत का कमाल* में भारी-भरकम पाठवाले सूत्रधार की भूमिका दो बड़ी लड़कियों को दे दिया जो अच्छे से पढ़ सकती थीं।

6. धारा-प्रवाह और हाव-भाव के साथ पढ़कर दिखाएं। बच्चों को स्क्रिप्ट से परिचित करने के लिएप्रभावशाली पठन को प्रदर्शित करते हुए पहले इसे एक-दो बार ज़ोर से पढ़ें । बच्चे चुपचाप अपनी-अपनी कॉपी में अनुसरण करेंगे। (देखें चित्र 2)

   यह प्रदर्शन केवल आरंभिक चरणों तक ही सीमित नहीं किया जाना चाहिए। एक बार जब बच्चे को पाठ से परिचित होने का मौक़ा मिल जाए और जब वे अपनी-अपनी भूमिका को पढ़ने का अभ्यास करते हैं तो उन्हें फ़ीडबैक दें और जहाँ पर वे बेहतर कर सकते थे उन्हें वह करके भी दिखाएं।

चित्र 2 . शिक्षिका द्वारा स्क्रिप्ट में अलग-अलग भूमिकाओं को पढ़ने का मॉडलिंग करते हुए, जब बच्चे अनुसरण करते हैं.
चित्र : अखिला प्याद के सौजन्य से

7. बच्चों से अपनी-अपनी भूमिका(हिस्से) को पढ़ने का अभ्यास करने के लिए कहें। यदि इससे उन्हें मदद मिलती हो तो वे अपने हिस्से के नीचे लाइन खींच सकते हैं या उसे हाईलाइट कर सकते हैं । इससे पहले कि पूरा समूह एक साथ रिहर्सल करे, उन्हें जोड़ों में या छोटे समूहों में एक-दो बार अभ्यास करने दें। यदि संवेदनशीलता के साथ किया जाए तो ज़्यादा कुशल पाठक इन छोटे समूहों में अपने सहपाठियों की मदद कर सकते हैं। प्रभावशाली पठन का प्रदर्शन तैयारी वाले इस पूरे चरण में ज़ारी रखें। कठिन शब्दों को डिकोड करने

में बच्चों की मदद करें और पाठ के अर्थ, कहानी की परिस्थिति और उनके द्वारा निभाए जा रही भूमिकाओं के पात्रों की तरफ़ उनका ध्यान खींचते हुए धीरे-धीरे उनमें भाव, गति, आवाज़ में उचित उतार-चढ़ाव जोड़ने के लिए प्रोत्साहित करें। बच्चों के सुझाव और व्याख्या को साझा करने एवं उसपर चर्चा करने की गुंजाईश बनाकर रखें।

भाव-भंगिमा और आवाज़ का उतार-चढ़ाव किस तरह अर्थ को प्रभावित करता है, इसपर बच्चों के साथ काम करना मज़ेदार हो सकता है। उदाहरण के लिए , *"उसने केक बनाया"* इस संवाद को हर बार अलग-अलग शब्दों पर ज़ोर देते हुए बोलने के लिए कहें और इससे जो अलग-अलग अर्थ प्रकट होता है उसके बारे में सोचने के लिए कहें : "**उसने** केक बनाया" की तुलना में "उसने केक **बनाया**" या "उसने **केक** बनाया" । इसी तरह, विराम-चिन्ह कैसे लहज़े और अर्थ को प्रभावित करते हैं, इसकी पड़ताल करने में आप बच्चों की मदद कर सकते हैं (उदाहरण के लिए, उसने केक बनया । उसने केक बनया ! उसने केक बनया?)।

जिन्हें अतिरिक्त व्यक्तिगत अभ्यास की आवश्यकता है, उन्हें अवसर दें । आप कई अभ्यास सत्र रख सकते हैं यदि आपके बच्चे चाहते हैं । उन्हें घर में भी अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित करें।

8. जब बच्चे तैयार हों और वे सहजता और प्रवाह के साथ पढ़ रहे हों तो उन्हें कक्षा या अभीष्ट दर्शकों के समक्ष प्रदर्शन के लिए आमंत्रित करें। प्रस्तुतीकरण के लिए, बच्चे अपने चरित्र के नाम का लेबल या चित्र बना सकते हैं (देखें चित्र 3) । इनके इस्तेमाल से दर्शकों को समझने में मदद मिलती है । इसके अलावा, बच्चों को प्रस्तुतीकरण की तैयारी के दौरान अभ्यास करते समय इन्हें बनाने में आनंद आता है ।

चित्र 3 पाठको के रंगमंच में बच्चे उन पात्रों के नाम और पिक्चर के

साथ लेबल का उपयोग करते हुए जिनकी भूमिका वे निभा रहे हैं [4]

पाठकों के रंगमंच में बड़ी कक्षा के अनुसार बदलाव करना

इस प्रक्रिया को बड़ी कक्षा के अनुसार बदलाव करने के लिए आप स्वतंत्र हैं। एक ही नाटक को प्रस्तुत करने के लिए आप कई समूह बना सकते हैं या प्रत्येक समूह किसी लंबे नाटक के अलग-अलग दृश्यों को प्रस्तुत कर सकता है। प्रत्येक समूह के अभ्यास के लिए आप अलग-अलग दिन निर्धारित कर सकते हैं। जब एक समूह ज़ोर से पूर्वाभ्यास कर रहे हों तब बाक़ी बच्चे साथ-साथ अपनी-अपनी कॉपियों में उनका अनुसरण कर सकते हैं। आप अपने सहपाठियों के प्रस्तुतीकरण पर फ़ीडबैक या किसी संवाद को कैसे पढ़ना है, इसपर उनके सुझाव लेकर उन्हें शामिल कर सकते हैं।

मुख्य बात यह है कि यह गतिविधि विद्यार्थियों के लिए दिलचस्प और उद्देश्यपूर्ण होनी चाहिए। अपनी कक्षा में इसे आज़मा कर देखिये। बच्चे इसे पसंद करेंगे और निश्चित रूप से पाठकों के रंगमंच के कई सत्रों की माँग करेंगे !

Adapted from ELI Handout 13 (2019):" Readers' Theatre in the Classroom"

References

Cornwell, L. (2019). What is readers theatre? [Blog piece]. Retrieved from: http://www.scholastic.com/librarians/programs/whatisrt.htm

Young, C. & Rasinski, T. (2009). Implementing readers theatre as an approach to classroom fluency instruction. *The Reading Teacher,* 63(1), 4-13.

Author: Akhila Pydah

Conceptual Support and Editing: Shailaja Menon

Copy-editing: Chetana Divya Vasudev

Layout & Design: Akhila Pydah

[4] स्रोत: www.strategiesforspecialinterventions.weebly.com

This work is licensed under the Creative Commons Attribution-NonCommercial-No Derivatives 4.0 International License. For details about this licence visit http://creativecommons.org/licenses/by-nc-nd/4.0/